गन्ना कटर प्लान्टरः एक सफल कहानी

भारत में मिठास वाली फसलों में गन्ना एक प्रमुख नकदी फसल के रुप में उगाया जाता है। देश में गन्ने का लगभग 40.00 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल है जिसका लगभग आधा भाग पेड़ी–गन्ने के अन्तर्गत है। किसानों द्वारा गन्ने की बुवाई मुख्यतया देशी हल अथवा रिजर से की जाती है। इन यंत्रों से एक हेक्टेयर बुवाई के लिए गन्ने के टुकड़ों की कटाई, बीजोपचार, कूंड़ खोलने, उर्वरक डालने, कूड़ों में टुकड़े डालने व इनको मिट्टी से ढ़कने तथा पाटा करने में लगभग 30–35 श्रमिकों की आवश्यकता होती है।इतनी संख्या में श्रमिकों की समय पर उपलब्धता न होने के कारण बसन्तकालीन व ग्रीष्मकालीन गन्ने की बुवाई (कुल बावक गन्ने का लगभग 90–92 प्रतिशत क्षेत्र) करने में किसानों को बहुत ही परेशानी उठानी पड़ती है। इन दशाओं में गन्ने की बुवाई करने पर उपलब्ध भूमि मे नमी व गन्ने के टुकड़ों के रस में कमी हो जाती है जिससे गन्ने का जमाव कम होजाता है। इन समस्याओं को ध्यान में रखते हुए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा कटर प्लान्टर का विकास किया गया है। इस यंत्र से एक दिन में 4 श्रमिकों के साथ लगभग 1.50 –2.00 हेक्टेयर खेत की बुवाई हो जाती है।

इस यंत्र की उपयोगिता को लोकप्रिय बनाने के लिए संस्थान–ग्राम सम्पर्क कार्यक्रम के अन्तर्गत् किसानो को प्रशिक्षण के लिए संस्थान में लाया गया तथा इस यंत्र से बुवाई करके दिखाया गया। इसकी कार्य क्षमता को देखकर किसान अत्यन्त प्रोत्साहित तो हुए परन्तु कूड़ों के बीच 75 व 90 से0मी0 दूरी होने से उपज के प्रति आशंकित भी हुए। इसका कारण वे अभी तक गन्ने की बुवाई 40–50 सेमी0 दूरी पर ही करते रहे हैं। इस आशंका को दूर करने के लिए 6 किसानो को चयनित करके उनके खेतों पर प्रदर्शन आयोजित किये गये।

इस यंत्र से जमाव, उपज व शुद्ध आय पर प्रभाव का तुलनात्मक अध्ययन देशी हल तथा रिजर द्वारा किया गया जिसका विस्तृत वर्णन निम्न है।

गन्ना बुवाई यंत्र कार्यरत

गन्ना कटर प्लान्टर द्वारा बोया गया गन्ने का खेत

विभिन्न यंत्रो की बुवाई से गन्ने के जमाव, उपज व आर्थिक विश्लेषण पर प्रभाव

विवरण	देशी हल	रिजर	कटर प्लान्टर
बुवाई–लागत (रू0/हे0)	2550.00	2450.00	1200.00
जमाव (प्रतिशत)	36.00	35.00	42.00
किल्लों की संख्या (लाख/हे0)	2.81	2.82	2.92
मिल योग्य गन्ने (लाख/हे0)	1.04	1.05	1.11
उपज (टन/हे0)	72.00	73.00	76.00
कुल आय (रू0/हे0)	68400.00	69350.00	72200.00
उत्पादन लागत (रू0/हे0)	26369.00	26251.00	26369.00
शुद्ध आ (रू0/हे0)	42031.00	43099.00	45831.00
लाभ–लागत अनुपात	2.59	2.64	2.73

कटर प्लान्टर मुख्यतया रिजर व डिस्क टाइप के हैं। खेत की अच्छी तैयारी करने के बाद रिजर टाइप कटर प्लान्टर द्वारा बुवाई करते हैं जबकि डिस्क वाले कटर प्लान्टर से बिना खेत तैयार किए हुए गन्ने की बुवाई करते हैं। इस प्रकार डिस्क टाइप कटर प्लान्टर से 5–6 दिन अग्रिम बुवाई करके उपज बढ़ाई जा सकती है। इस प्रकार इस यंत्र द्वारा बुवाई–लागत में लगभग 50–60 प्रतिशत की बचत हो जाती है। इसके अतिरिक्त उचित गहराई पर बीज, उर्वरक व कीटनाशी रसायन पड़ने के कारण उपज में 6–7 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी भी हो जाती है।

बुवाई–लागत में कमी तथा उपज में बढ़ोत्तरी से प्रभावित होकर क्षेत्रीय किसानो में इस यंत्र की माँग दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। इस यंत्र की उपयोगिता को देखकर डी0एस0एम0 रौजागाँव, फैजाबाद व बलरामपुर चीनी मिल हैदरगढ़, बाराबंकी द्वारा भी अपने–अपने क्षेत्रों के किसानो के खेतों पर गन्ने की बुवाई में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संस्थान को इस यंत्र की आपूर्ति हेतु देश व प्रदेश के विभिन्न चीनी मिलों व किसानों से अनवरत माँग बढ़ती जा रही है।